

105TH EDITION

OCT- JAN 2019



NEVER
GIVE
UP

SPECTRUM

NEO CONVENT SR. SEC. SCHOOL

PASCHIM VIHAR-63



SPECTRUM
Of the Neonians!
By the Neonians!
For the Neonians!

India is a kaleidoscope of cultures that includes umpteen variations in terms of food, clothing, languages, art, music and religious beliefs but sometimes this diversity only becomes the root cause of conflicts. It is a land of saints and seers also who have always preached the lessons of love, harmony, co-operation and respect for each other's sentiments.

The people need some awakening and joint efforts by enlightened people of all communities, as peace is good for all and strife is harmful to everybody. The need of the hour is to maintain amity between different cultures for the progress and development of not only of ourselves but also of the country. All of us need to come forward and contribute to maintain peace in the society.

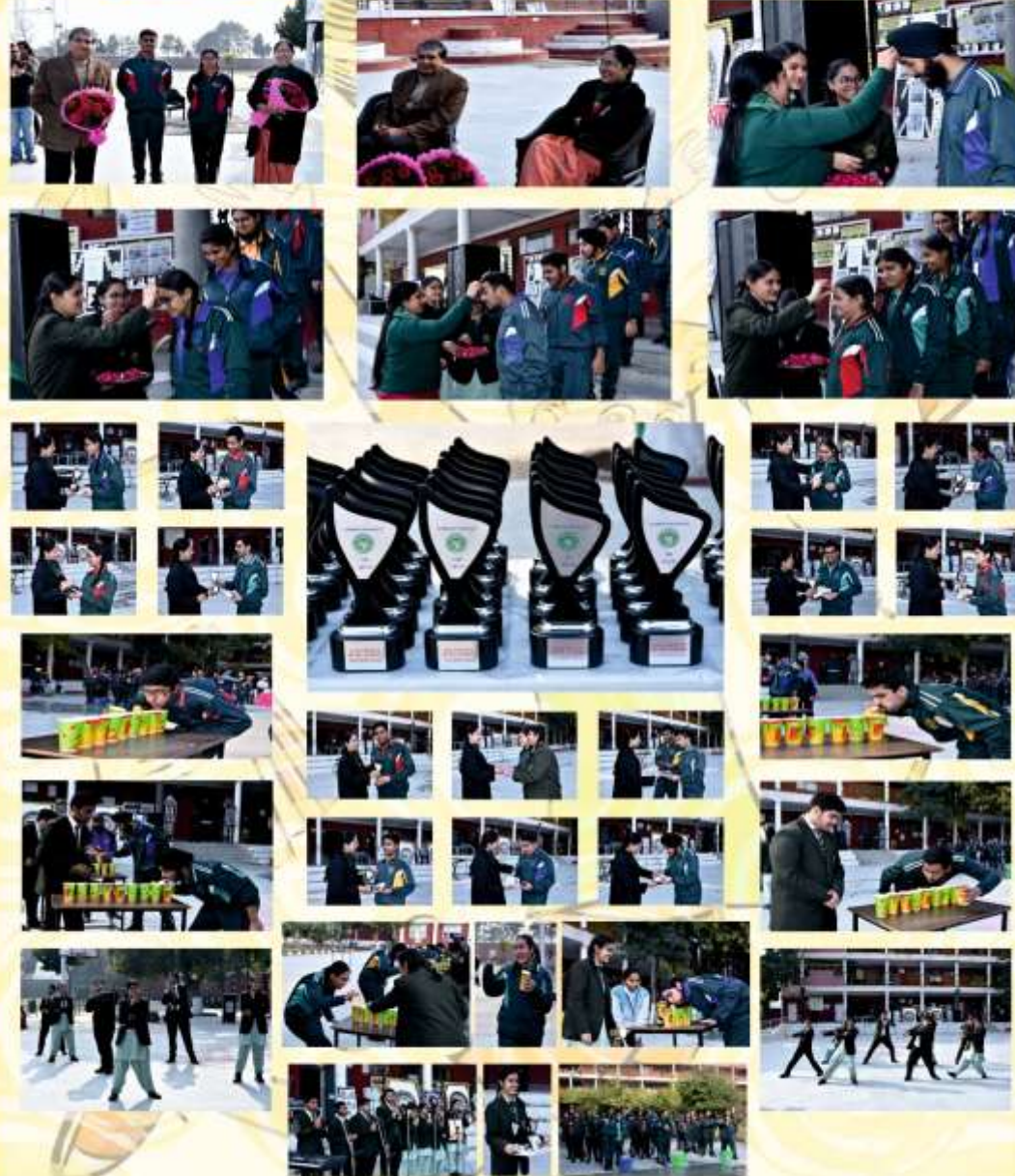
TEACHER FACILITATORS

Mr. Jagmohan Sharma, Ms. Kanchan Bhagat

Ms. Surbhi Hajela, Ms. Shweta, Ms. Rajneet

Mr. Mayank

FAREWELL CLASS XII 2019-20 BATCH



**NCS FELICITATED FOR DELHI STATE
ARMED FORCES FLAG DAY BY *RAJYA
SAINIK BOARD***



**NCS FELICITATED ON THE OCCASION
OF 20TH *WORLD HUMAN RIGHTS
CONGRESS***



RALLY - SAY NO TO PLASTIC



DON'T BE DRASTIC; SAY 'NO TO PLASTIC'

71st REPUBLIC DAY 2020



KUDOS TO NEONIANS



CBSE National Science Exhibition

Hashmeet Singh and Manreet Singh of class XI-A participated in the CBSE National Science Exhibition

held from 15TH Jan'20 to 18TH Jan'20 at Suncity School, Gurugram Sector-54, Haryana.



Portraits Of Celebrities Like 'Indira Gandhi', 'Annie Besant' and, George Orwell' made by Dhruv Singh of class IX-B, Aryan Gupta of class X-C, Prabhjot Kaur of class IX-C, and Jasmeet Kaur of class IX-C were appreciated and printed on the first page of Hindustan Times (HT PACE) on 20th Dec'19, 27th Dec '19, 9th Jan'20 and 13th Jan'20 respectively .

CBSE Story Telling Competition

Four Neonians Molik Arora of class XI-A , Aryan Gupta of class X-C, participated in the prestigious competition and got participation certificates.

Pariksha Pe Charcha

Neonians participated in the Essay Writing Competition for Pariksha Pe Charcha January 2020 by sending their essays and questions and got participation certificates. The names of the students are- Binwant Kaur – XI A, Hashmeet Singh – XI A, Manreet Singh- XI A, Parneet Singh-XI A, Molik Arora- XI A , Sambhav Arora- XI A , Inderpal Singh-XI A ,Lipika Aggarwal – IX C, Aryan Gupta – X C, Pranav Bhasin- X A, Yana Malhotra – X C and Janvi Arora -X C .

**USTAD ANWAR KHAN LANGA, RAJASTHANI FOLK SINGERS
PERFORMED LIVE (NEO CONVENT SR. SEC. SCHOOL)
UNDER THE AEGIS OF SPIC MACAY ON 10TH DEC 2019**



TAEKWONDO NATIONAL WINTER CUP 2019

- Taekwondo National Winter Cup 2019, Organised by- Indian School for Art, Adventure & Culture, held in Shimla on 9th and 10th November was a successful event for the students.

Student's name	Class	Position
Japjot Singh	VI-C	Silver
Rupinder Singh	VI-A	Gold

- 3rd Aryans Cup Taekwondo championship 2019 held at Tyagraj Stadium (INA) from 3rd to 5th Dec 2019. Total number of participants were 24.

*3 won GOLD
7 won SILVER
6 won BRONZE*

- 2nd Delhi Open Taekwondo championship 2019 held on 25th December at Nathu Das Hall, Madipur. Students out performed themselves by winning a number of medals for the school.

*GOLD: 4
SILVER: 4
BRONZE: 10*

- Open National Championship 2019 held on 29th to 31st December at Manali (Himachal Pradesh)

Name	Class	Position
Rupinder Singh	VI-A	GOLD
Rudra Singh	VII-A	GOLD
Dhruv Singh	IX-B	SILVER

ANNUAL DAY CELEBRATION 2019- 20



UNsung HERO

NAVIN GULIA: MAN OF STRENGTH AND RESILIENCE

For a man who was declared permanently 100 per cent disabled at the age of 22, following an injury he had sustained during his final days of training at Indian Military Academy, Navin Gulia, is an epitome of courage and resilience.

Navin, now 46, is mostly involved in the activities of ADAA (Apni Duniya Apna Ashiana – which means Our World Our Home), an NGO he founded in 2007. They work in Barhana, a village - located about 53 km from Delhi in Haryana, with the children of brick kiln workers. The village has the worst sex ratio of

327 females for every 1000 male children. The female children face a lot of discrimination in the village. "If a girl child falls ill, she won't be given medical treatment, but a male child will be immediately rushed to the hospital," he says, citing an example of the prevailing biases. He continued, "The other problem is early marriage of girl children. By the time they turn 16, they are married off."

Navin's NGO , ADAA makes sure that the girls complete their education and pursue their interests. They work with the families of the children and also with the local government school where most of the children study.

The situation in the village has improved after ADAA's intervention programmes. "The children are regularly going to school and also active in sports. Two girls from the village have won gold medals at the state level wrestling competition and are now aiming for the nationals," says Navin. Despite being a differently able person himself, Navin never gave upon his will to work endlessly for the elevation of status of girl child and women around him.



CULTURAL EXCHANGE



बारहवाँ अध्याय – भक्ति योग

(साकार और निराकार के उपासकों की उत्तमता का निर्णय और भगवत् प्राप्ति के उपाय का विषय)

अर्जुन उवाच –

एवं सततयुक्ता ये भक्तास्त्वां पर्युपासते ।
ये चाप्यक्षरमव्यक्तं तेषां के योगवित्तमाः ॥

अर्जुन बोले – जो अनन्य प्रेमी भक्तजन पूर्वोक्त प्रकार से निरन्तर आपके भजन-ध्यान में लगे रहकर आप सगुण रूप परमेश्वर को और दूसरे जो केवल अविनाशी सच्चिदानन्द घन निराकार ब्रह्म को ही अति श्रेष्ठ भाव से भजते हैं – उन दोनों प्रकार के उपासकों में अति उत्तम योगवेत्ता कौन है ?

श्रीभगवान बोले – मुझमें मन को एकाग्र करके निरन्तर मेरे भजन-ध्यान में लगे हुए जो भक्तजन अतिशय श्रेष्ठ श्रद्धा से युक्त होकर मुझ सगुण रूप परमेश्वर को भजते हैं, वे मुझको योगियों में अति उत्तम योगी मान्य हैं। परन्तु जो पुरुष इन्द्रियों के समुदाय को भली प्रकार वश में करके मन-बुद्धि से परे, सर्वव्यापी, अकथनीय स्वरूप और सदा एकरस रहने वाले, नित्य, अचल, निराकार, अविनाशी, सच्चिदानन्द घन ब्रह्म को निरन्तर एकीभाव से ध्यान करते हुए भजते हैं, वे सम्पूर्ण भूतों के हित में रत और सब में समान भाववाले योगी मुझको ही प्राप्त होते हैं। उन सच्चिदानन्द घन निराकार ब्रह्म में आसक्त चित्त वाले पुरुषों के साधन में परिश्रम विशेष है क्योंकि देहाभिमानियों द्वारा अव्यक्त विषयक गति दुःखपूर्वक प्राप्त की जाती है। परन्तु जो मेरे परायण रहने वाले भक्तजन सम्पूर्ण कर्मों को मुझमें अर्पण करके मुझ सगुण रूप परमेश्वर को ही अनन्य भक्ति योग से निरन्तर चिंतन करते हुए भजते हैं।

हे अर्जुन – उन मुझमें चित्त लगाने वाले प्रेमी भक्तों का मैं शीघ्र ही मृत्यु रूप संसार से उद्धार करने वाला होता हूँ। मुझमें मन को लगा और मुझमें ही बुद्धि को लगा, इसके उपरांत तू मुझमें ही निवास करेगा। इसमें कुछ भी संशय नहीं है। यदि तू मन को मुझमें अचल स्थापन करने के लिए समर्थ नहीं है, तो हे अर्जुन! अभ्यास रूप योग द्वारा मुझको प्राप्त होने के लिए इच्छा

कर। यदि तू उपर्युक्त अभ्यास में भी असमर्थ है, तो केवल मेरे लिए कर्म करने के ही परायण हो जा। अर्थात् स्वार्थ को त्यागकर तथा परमेश्वर को ही परम आश्रम और परम गति समझकर निष्काम प्रेमभाव से यज्ञ, दान और तपादि सम्पूर्ण कर्तव्य कर्मों के करने का नाम भगवदर्थ कर्म करने के परायण होता है। इस प्रकार मेरे निमित्त कर्मों को करता हुआ भी मेरी प्राप्ति रूप सिद्धि को ही प्राप्त होगा। यदि मेरी प्राप्ति रूप योग के आश्रित होकर उपर्युक्त साधन को करने में भी तू असमर्थ है, तो मन-बुद्धि आदि पर विजय प्राप्त करने वाला होकर सब कर्मों के फल का त्याग कर।

हे अर्जुन - मर्म को न जानकर किए हुए अभ्यास से ज्ञान श्रेष्ठ है, ज्ञान से मुझ परमेश्वर के स्वरूप का ध्यान श्रेष्ठ है और ध्यान से सब कर्मों के फल का त्याग श्रेष्ठ है। क्योंकि त्याग से तत्काल ही परम शांति होती है। जो पुरुष सब भूतों में द्वेष भाव से रहित, स्वार्थ रहित सबका प्रेमी और हेतु रहित दयालु है तथा ममता से रहित, अहंकार से रहित, सुख-दुःखों की प्राप्ति में सम और क्षमावान है अर्थात् अपराध करने वाले को भी अभय देने वाला है तथा जो योगी निरंतर संतुष्ट है, मन-इंद्रियों सहित शरीर को वश में किए हुए है और मुझमें दृढ़ निश्चय वाला है - वह मुझमें अर्पण किए हुए मन-बुद्धिवाला मेरा भक्त मुझको प्रिय है। जिससे कोई भी जीव उद्वेग को प्राप्त नहीं होता और जो स्वयं भी किसी जीव से उद्वेग को प्राप्त नहीं होता तथा जो हर्ष, अमर्ष, भय और उद्वेगादि से रहित है वह भक्त मुझको प्रिय है।

हे अर्जुन - जो पुरुष आकांक्षा से रहित, बाहर-भीतर से शुद्ध, चतुर, पक्षपात से रहित और दुःखों से छूटा हुआ है, वह सब आरम्भों का त्यागी मेरा भक्त मुझको प्रिय है। हे पार्थ - जो न कभी हर्षित होता है, न द्वेष करता है, न शोक करता है, न कामना करता है तथा जो शुभ और अशुभ सम्पूर्ण कर्मों का त्यागी है, वह शक्तियुक्त पुरुष मुझको प्रिय है। जो शत्रु-मित्र में और मान-अपमान में सम है तथा सदी-गर्मी और सुख-दुःखादि द्वन्द्वों में सम है और आसक्ति में रहित है। जो निन्द-स्तुति को समान समझने वाला, मननशील और जिस किसी प्रकार से भी शरीर का निर्वाह होने में सदा ही संतुष्ट है और रहने के स्थान में ममता और आसक्ति से रहित है, वह स्थिर

बुद्धि शक्तिमान पुरुष मुझको प्रिय है। परंतु जो श्रद्धायुक्त (वेद, शास्त्र, महात्मा और गुरुजनों के तथा परमेश्वर के वचनों में प्रत्यक्ष के सदृश विश्वास का नाम श्रद्धा है) पुरुष मेरे परायण होकर इस ऊपर कहे हुए धर्ममय अमृत को निष्काम प्रेम भाव से सेवन करते हैं। वे भक्त मुझको अतिशय प्रिय हैं।

ओं तत्सदिति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिशत्सु ब्रह्मविद्यां योगशास्त्रे
श्रीकृष्ण-अर्जुनसंवादे भक्तियोगो नाम द्वादशोऽध्यायः ॥



आँखें

आँखें, अकसर धोखा दे जाती हैं
कभी मेरे झूठ, कभी मेरी बात से
मुकर के, मुझे एक मौका दे जाती हैं,
कि मैं अडिग रहूँ अपने सच पर,

वे साथ देंगी, भले फिर शर्म लिये,
झुक के नम होकर भी दृढ़ता लिये।
उठकर, गिर कर, ये आँखें एक अदा
एक भाव अनोखा दे जाती हैं।

कुछ आँखें ऐसी होती हैं
जिनमें विश्वास झलकता है।
मेरे हर सही-गलत को मानो
कोई है जो परखता है।

इस अनजान अजब दुनिया में
रोज नया कोई मिल जाता है
पर उन कुछ आँखों को देख
मेरा हर दोष बिलख उठता है

क्रोध, घृणा और द्वेष से लेकर
प्यार, चिंता, पागलपन तक
सबकुछ कह जाती है ये दोनों
फिर भी ख्वाब संजो के रह जाती हैं

कभी ये मुझसे छल करके
अंतर का झरोखा दे जाती हैं
ये आँखें, अक्सर ही धोखा दे जाती हैं।

तुष अरोरा
कक्षा- नौवीं- ब

बच्चा होना, कितना अच्छा

बच्चों के संग बच्चा होना
कितना अच्छा लगता है।

कभी खेल में हँसना गाना
ता-ता थैया नाच दिखाना,
और कभी नाराज सभी से
हो जाना, फिर मुँह लटकाना
झूठ-मूठ ऊँ- ऊँ कर रोना
कितना अच्छा लगता है।

गला फुला आँखें मिचकाना
करना काम कभी बचकाना
बंदर जैसी हरकत करके
कभी डराना फिर भाग-जाना।

खाना झूठ-मूठ ले दौना
कितना अच्छा लगता है।
कल्लू नीनू चन्नू- दीनू

के संग मिलकर गप्प लड़ाना
इंजन बनकर छुक-छुक करना
या टिक-टिक घोड़ा बन जाना।
ऊपर लाद सभी को ढोना
कितना अच्छा लगता है।

भूमि
कक्षा- आठवीं ब

जीतने की जिद

एक गाँव में कुसुम नाम की एक लड़की रहती थी। कुसुम का चयन एयरफोर्स में हो गया था और इस बात को लेकर उसके गाँव वाले बड़े आश्चर्यचकित थे। किसी ने सोचा भी नहीं था कि एक छोटे से गाँव की कमज़ोर वर्ग की लड़की एक दिन पूरे गाँव का नाम रोशन करेगी।

एक बात एयर फोर्स के कुछ अफ़सरों का जत्था एवरेस्ट की चढ़ाई के लिए जा रहा था कुसुम को भी उसमें शामिल किया गया। हालांकि उसे पर्वतारोहण का कोई भी अनुभव नहीं था। कुसुम कड़ी मेहनत करने लगी और कुछ ही महीनों में वह अपने दोस्तों के साथ एवरेस्ट के पहले बेस कैम्प पर पहुँच गई।

एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए पाँच अलग-अलग पड़ाव पार करने होते हैं। उसने हार नहीं मानी और मजबूती से चलती रही। परंतु अंतिम पड़ाव पर आकर वह बहुत थक गई और उसे साँस लेने में दिक्कत होने लगी। उसकी टीम के लीडर ने उसे वहीं से लौट जाने का आदेश दिया।

कुसुम ने जिंदगी में पहली बार हार का सामना किया था। वह जब वापस अपने गाँव लौटी तो गाँव वालों ने उसका बड़ा अपमान किया और उसका मज़ाक उड़ाया। उस दिन उसने तय कर लिया कि जब तक मैं एवरेस्ट की चढ़ाई नहीं करूँगी, जिंदगी में और कुछ नहीं करूँगी।

लंबी छुट्टी लेकर कुसुम अपने पैसों से एवरेस्ट पर चढ़ाई करने के लिए पहुँच गई। इस बार जोश कई गुणा ज़्यादा था। उसने जीवन भर की सारी जमा पूँजी इस पर लगा दी थी। एक बार फिर अंतिम पड़ाव तक पहुँच गई लेकिन इस बार भी अंतिम पड़ाव पर जाकर उसके होंसले पस्त होने लगे, साथ ही मौसम भी खराब होने लगा।

अब कुसुम के सामने चुनौतियाँ ज़्यादा थीं। जिंदगी की पूरी कमाई, गाँव वालों की इज़्जत, माता-पिता का विश्वास और अपने भीतर की खुशी एक सवाल बन कर उस की आँखों के सामने तैर रही थी। उसने तय किया कि चाहे कुछ भी हो जाए अब वापस नहीं लौटना है।

अगले 8 घंटे उसकी जिंदगी की सबसे कठिन अवधि थी। लेकिन फिर भी वह डटी रही और अंत में वह एवरेस्ट की चोटी तक पहुँच गई। जब कुसुम वापस अपने गाँव लौटी तो गाँव वालों ने दिल खोलकर उसका स्वागत किया और उससे माफ़ी भी माँगी।

सीख – “लोग हमारी नहीं, बल्कि हमारी उपलब्धियों की कद्र करते हैं।”

सिया
(पाँचवी 'अ')

WORKSHOPS

The school organized a very relevant and crucial workshop, 'First Impression' for the students of class XII. The resource person enlightened the students with various ways to enhance their personality and develop an even better impression of themselves on the world.



A workshop, 'Goal setting' was organized for class XI. The resource person, Ms Vandana Tandon engaged the students pretty well. The students were able to clarify their doubts regarding their imminent future, higher education and career goal.

Class III enjoyed a lot with their resource person, Miss Shalini in 'Story telling workshop'. The students were enthusiastic and equally engaged.



The workshop on 'Health, Hygiene and Nutrition' was organized for girls. It aimed at imparting knowledge to students about basic hygiene and its maintenance through various audio-visual aids.

NEO CLUB



READERS' HIVE CLUB



DRAMATICS CLUB



SCIENCE CLUB



COMMERCE CLUB



COMPUTER CLUB



SPIC AND SPAN CLUB



ENVIRONMENTAL CLUB

